Om Shanti
30.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, ना ही मैं आपको धनवान बनाने के लिए आया हूँ ... और ना ही आप सबकी daily की problem solve करने के लिए आया हूँ...!

अर्थात मैं कोई भी तरह का क्षण-भंगूर सुख नहीं देता..., जिसके पीछे आप द्वापर से भागते आये हो...!

और वैसे भी यह सब तो भक्ति मार्ग में भी प्राप्त हो जाता है अर्थात भगवान की प्रार्थना-याचना करने से मिल जाता है...!

बच्चे,
• मैं तो आप बच्चों को आपकी स्व-स्थिति की seat पर set कराने के लिए आया हूँ ...
• अर्थात आपको आपका ही मालिक बनाने आया हूँ ...
• अर्थात विस्मृत आत्मा को स्मृति दिलाने आया हूँ ...
• अर्थात आपके पुराने, विकारी संस्कारों का संस्कार करा, आपको शुद्ध और पावन बना, स्व-स्थिति के आसन पर set कर देता हूँ..., जिससे आपकी सम्पन्नता को, जो आप में ही है, वो बाहर आ जाती है..., और आप स्थूल में सम्पन्न बन जाते हो
• अर्थात सम्पूर्ण देवता बन जाते हो
• अर्थात सभी को सूक्ष्म और स्थूल सम्पन्नता देने वाले
• अर्थात पूजनीय आत्मा, जिनका आप सब गायन-पूजन करते आये हो...।

जैसे, एक राजा की कहानी बनाई है कि जिसमें भिखारी राजा से भीख माँगने आता है और राजा को भगवान से माँगता हुआ देखता है..., अर्थात भगवान से माँगने वाले को देवता नहीं कहा जा सकता...।

अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

भगवान से माँगने वाले को देवता नहीं कहा जा सकता...।

Om Shanti
29.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, बाप (परमात्मा शिव) स्वयं आकर आप बच्चों को विशेष पालना दे, विशेष ज्ञान दे रहा है ... इसलिए बाप की पढ़ाई के एक-एक शब्द पर निश्चय रखो...।

जिस समय, जिस संकल्प की ज़रूरत होती है, बाप उसी according आप बच्चों के संकल्प परिवर्तन कर देता है।

देखो, संकल्पों से ही दुनिया बनी और संकल्प से ही परिवर्तन होगा। बस, आप उसी according अपने संकल्प रखो, जो बाप कह रहा है...।

बाप आप बच्चों के द्वारा ही सारा कार्य करवाता है।
वैसे बाप क्या नहीं कर सकता...!
आप सबके भी तन, मन, धन, सम्बन्ध, सम्पर्क ... हर तरह की problem, एक second से भी कम समय में ठीक कर सकता है। परन्तु बाप, आप बच्चों को आप-समान बना, विश्व-परिवर्तन का कार्य आप द्वारा ही करवाता है...।

बस आप हर तरह की हर बात, समर्पण कर वो ही संकल्प करो, जो बाप कह रहा है...।

बच्चे, अब इस तमोप्रधान दुनिया के किसी भी चीज़ में कोई सार नहीं रहा है ... ना ही कहीं खुशी है और ना ही कहीं दुःख...।
बस, आप तो इन सबसे न्यारे हो, स्वयं के संकल्पों पर attention रख, परिवर्तन के कार्य को सम्पन्न करो। सभी आपके इंतज़ार में हैं।

परिवर्तन तो होना ही है। बस आप बच्चों के attention देने से झटपट हो जायेगा..., अर्थात् बिल्कुल थोड़े से ही attention से परिवर्तन हो जायेगा...।
बस न्यारेपन की स्थिति चाहिए अर्थात् सब कुछ करते भी मन-बुद्धि से न्यारे...।

अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

*अब इस तमोप्रधान दुनिया के किसी भी चीज़ में कोई सार नहीं रहा है ... ना ही कहीं खुशी है और ना ही कहीं दुःख...।
बस आप तो इन सबसे न्यारे हो, स्वयं के संकल्पों पर attention रख, परिवर्तन के कार्य को सम्पन्न करो...।*

Om Shanti
29.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, बाप (परमात्मा शिव) स्वयं आकर आप बच्चों को विशेष पालना दे, विशेष ज्ञान दे रहा है ... इसलिए बाप की पढ़ाई के एक-एक शब्द पर निश्चय रखो...।

जिस समय, जिस संकल्प की ज़रूरत होती है, बाप उसी according आप बच्चों के संकल्प परिवर्तन कर देता है।

देखो, संकल्पों से ही दुनिया बनी और संकल्प से ही परिवर्तन होगा। बस, आप उसी according अपने संकल्प रखो, जो बाप कह रहा है...।

बाप आप बच्चों के द्वारा ही सारा कार्य करवाता है।
वैसे बाप क्या नहीं कर सकता...!
आप सबके भी तन, मन, धन, सम्बन्ध, सम्पर्क ... हर तरह की problem, एक second से भी कम समय में ठीक कर सकता है। परन्तु बाप, आप बच्चों को आप-समान बना, विश्व-परिवर्तन का कार्य आप द्वारा ही करवाता है...।

बस आप हर तरह की हर बात, समर्पण कर वो ही संकल्प करो, जो बाप कह रहा है...।

बच्चे, अब इस तमोप्रधान दुनिया के किसी भी चीज़ में कोई सार नहीं रहा है ... ना ही कहीं खुशी है और ना ही कहीं दुःख...।
बस, आप तो इन सबसे न्यारे हो, स्वयं के संकल्पों पर attention रख, परिवर्तन के कार्य को सम्पन्न करो। सभी आपके इंतज़ार में हैं।

परिवर्तन तो होना ही है। बस आप बच्चों के attention देने से झटपट हो जायेगा..., अर्थात् बिल्कुल थोड़े से ही attention से परिवर्तन हो जायेगा...।
बस न्यारेपन की स्थिति चाहिए अर्थात् सब कुछ करते भी मन-बुद्धि से न्यारे...।

अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

*अब इस तमोप्रधान दुनिया के किसी भी चीज़ में कोई सार नहीं रहा है ... ना ही कहीं खुशी है और ना ही कहीं दुःख...।
बस आप तो इन सबसे न्यारे हो, स्वयं के संकल्पों पर attention रख, परिवर्तन के कार्य को सम्पन्न करो...।*

Om Shanti
28.06.2019

★ 【आज का पुरुषार्थ】 ★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, आप हो जगत माता अर्थात् जगत जननी ... सभी आत्माओं समेत सारी प्रकृति को तमोप्रधान से सतोप्रधान बनाने वाली...।

इसलिए विश्व-परिवर्तन से पहले अपनी शक्तियों रूपी अग्नि से देह रूपी प्रकृति को सतोप्रधान बनाने में use करो, अर्थात् मालिक बन अपनी शक्तियों को order करो कि अब प्रकृति को सतोप्रधान बनाये...।
साथ ही साथ आप अपने मन-बुद्धि को इस संकल्प में एकाग्र कर दो और 100% निश्चय के साथ निश्चिन्त रहो।

बच्चे, आप बच्चों के संकल्प सिद्ध नहीं होंगे, तो फिर बताओ किसके होंगे...?

अभी भी आपकी powerful vibrations कार्य कर रही हैं। परन्तु अभी संकल्पों में एकाग्रता नहीं है, जिस कारण जो सफलता आप चाहते हो, वो प्राप्त नहीं हो रही...!

इसलिए संकल्पों को निश्चयबुद्धि बन एकाग्र करो। दृढ़तापूर्वक करने से, अर्थात् संशय को 100% समाप्त कर, अपनी शक्तियों पर 100% निश्चय रख, उन्हें use करो ... फिर सफलता आपके पांव चुमेगी...।

बच्चे, charity begins at home...

Starting में किसी भी कार्य में सफलता प्राप्त करने में कई बार थोड़ा टाइम लग जाता है, परन्तु आप धैर्यतापूर्वक शक्तियों का use करो।
एक सफलता प्राप्त होने के बाद आपकी speed तीव्र हो जायेगी।

बस बच्चे, सबकुछ होना ही है ... और जिन बच्चों को परमात्मा बाप का 100% सहयोग है, वो ही बच्चे बाप-समान स्थिति में स्थित हो सफलतामूर्त बन जाते हैं...।

बस बच्चे, बहुत प्रेमपूर्वक पवित्रता की vibrations फैलाते रहो।
आप बच्चों के आनंद के दिन आये कि आये...।

*** *देह रूपी प्रकृति को सतोप्रधान बनाना* अर्थात *अपने पाँच तत्वों से बने शरीर को पवित्र light बना, पूरे तन में पवित्रतम् light अर्थात् गुणों और शक्तियों से भरपूर light को चलता हुआ महसूस करो...।*

अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

संकल्पों को निश्चयबुद्धि बन एकाग्र करो ... दृढ़तापूर्वक करने से, अर्थात् संशय को 100% समाप्त कर, अपनी शक्तियों पर 100% निश्चय रख, उन्हें use करो ... फिर सफलता आपके पांव चुमेगी...।

Om Shanti
27.06.2019

★【आज का पुरूषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, जब आप निश्चिन्त रहते हो, तब ही आप हल्के रह light का अभ्यास कर सकते हो।

बच्चे, अब किसी भी बात में कोई सार नहीं रहा, चाहे आपको पता नहीं चल रहा, परन्तु बाप तो सब देख रहा है।

जैसे एक काली रात में चलता मुसाफिर सुबह की इंतज़ार में होता है, परन्तु सुबह होने से पहले रात और काली हो जाती है ... और वो अधिकतम् रात का काला समय नई सुबह का शुभ सन्देश लेकर आता है, जिसे मुसाफिर नहीं जानता...!

पर यहाँ स्वयं शिव बाप आपको सब बता रहा है कि बस बच्चे, परिवर्तन की नई सुबह शुरू होने ही वाली है।

बच्चे, बाबा साथी बन आप बच्चों का हर पल साथ निभा रहा है। बस, बाप की श्रीमत प्रमाण हिम्मत रख, स्व-परिवर्तन और प्रकृति के परिवर्तन का कार्य, थोड़ा-सा जो रह गया है, वो कर लो...।

जो बाप बार-बार कह रहा है कि कभी भी परिवर्तन हो सकता है, तो ऐसे ही नहीं कह रहा...।
बस खुश रहो ... हल्के रहो, क्योंकि इस परिवर्तन के कार्य में आपका खुश और हल्के रहना अत्यधिक आवश्यक है।

इसलिए ... निश्चय रख, निश्चिन्त रह आगे बढ़ो, परिवर्तन भी आपकी इंतज़ार में ही है...।

Light का अभ्यास अर्थात स्वयं को आत्मा, point of light निश्चय कर, अब आँखों को जब भी use करो, तो सब कुछ light ही देखो, अर्थात *हर चीज़ को उसके original स्वरूप में अर्थात light देखो* ... और वो भी बहुत प्रेम के साथ...।

अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

जब आप निश्चिन्त रहते हो, तब ही आप हल्के रह light का अभ्यास कर सकते हो...।

Om Shanti
26.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... जो बच्चे, 100% बाप की श्रीमत प्रमाण चलते हैं, तो बाप भी उन बच्चों का 100% ज़िम्मेवार है ... और बाप की इस समय एक ही श्रीमत है कि निश्चिन्त रहो, खुश रहो ... और हल्के रह attention दे, light का अभ्यास करते रहो...।

और यदि कोई भी कमी-कमज़ोरी आती है, तो attention दे, सच्चे दिल से बाप को समर्पण हो जाओ, तो बाप आप बच्चों की कमी-कमज़ोरी तो दूर करेगा ही, साथ ही साथ आगे बढ़ने के लिए शक्ति भी देगा...।

बस, बाप की श्रीमत को follow करने के लिए, स्वयं पर attention बहुत ज़रूरी है।

जब आप हल्के हो समर्पण हो जाते हो, तब ही तो बाप आप बच्चों का सहयोगी बन सकता है ... और जब आप स्वयं ही छोड़ना नहीं चाहते, तो बाप भी साक्षी हो जाता है, क्योंकि बाप (परमात्मा शिव) है lawful और वो समर्पण बुद्धि बच्चों का ही सहयोगी बन सकता है...।

जितना आप मन-बुद्धि से बाप की श्रीमत प्रमाण हल्के रहते हो, तो उतनी जल्दी ही लक्ष्य के समीप पहुँच सकते हो...।

Light का अभ्यास अर्थात *स्वयं को आत्मा, point of light निश्चय कर, अब आँखों को जब भी use करो, तो सब कुछ light ही देखो, वो भी बहुत प्रेम के साथ...।*

अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

बाप की इस समय एक ही श्रीमत है कि निश्चिन्त रहो, खुश रहो ... और हल्के रह attention दे, light का अभ्यास करते रहो...।

Om Shanti
25.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, पहले तो यह मानो कि जो सम्पन्न स्वरूप अर्थात फरिश्ता स्वरूप है, वो *मैं ही हूँ* ... और वो सतोप्रधान light से भरपूर है, अर्थात उसमें असीम गुण और शक्तियाँ है ... बहुत ज्यादा bright है...।

जिस तरह बाप अपनी सारी शक्तियाँ मर्ज करके आता है, क्योंकि बाप को पता है कि तमोप्रधान तन में ताकत नहीं बाप (परमात्मा शिव) की एक परसेन्ट शक्ति को भी धारण करने की...!

इसी तरह, आपका सम्पन्न स्वरूप भी बाप-समान ही है ... और जबकी अब परिवर्तन का ही समय है, तो सम्पन्न स्वरूप कुछ शक्ति साथ लेकर आयेगा ही, जिसके लिए आपको अपने तन को कम से कम रजोप्रधान तो बनाना ही पड़ेगा...!

बाप तो जल्दी-जल्दी परिवर्तन कर दे, परन्तु आपकी मन-बुद्धि सहज रीति ही परिवर्तन को accept कर आगे बढ़ती है, क्योंकि परिवर्तन में हलचल तो होती है।

अब जबकि कार्य अर्थात् प्रकृति का परिवर्तन भी होने वाला ही है, तो बस आप हल्के रह light का अभ्यास करते रहो...।

पूरे तन में पवित्रतम् light अर्थात् गुणों और शक्तियों से भरपूर light को चलता हुआ महसूस करो...।

Light का अभ्यास अर्थात *स्वयं को आत्मा, point of light निश्चय कर, अब आँखों को जब भी use करो, तो सब कुछ light ही देखो, वो भी बहुत प्रेम के साथ...।*

अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

आप हल्के रह light का अभ्यास करते रहो...। पूरे तन में पवित्रतम् light अर्थात् गुणों और शक्तियों से भरपूर light को चलता हुआ महसूस करो...।

Om Shanti
24.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, बाप हैं शिव और आप सब हो पार्वतियां अर्थात् बाप हैं शिव पिता और आप सब हो पार्वती माता अर्थात् जगतमाता...।

यह सदा आप बच्चों को याद रहना चाहिए कि ... मैं आत्मा जगतमाता, विश्व के कल्याण के निमित्त हूँ...।

देखो बच्चे, माँ का दिल तो वैसे भी ममतामई होता है अर्थात् प्रेम, रहम और कल्याण की भावना से भरपूर होता है ... वो हर हाल में अपने बच्चों का कल्याण ही करती है।
उसकी एक-एक श्वांस में बच्चों के प्रति प्यार समाया रहता है - तो आपको यह सदा स्मृति रहनी चाहिए...।

अब आप बच्चों को इस देह के सम्बन्ध और साथ में ... मैं पुरुष हूँ, मैं नारी हूँ, मैं उम्र में छोटा बच्चा हूँ - यह सब भूल जाना चाहिए ... सभी स्वयं को आत्मा समझ, विश्व की आधारमूर्त आत्मायें समझें...।

जब आप सब हो ही विजयी रत्न, तो फिर क्या हुए...?
पूर्वज हुए ना...!

तो स्वयं को जगतमाता समझ पूरे विश्व का कल्याण करो ... अर्थात् एक-एक आत्मा के प्रति आपके अन्दर कल्याण की भावना हो।
जितना प्रेम होगा, उतना रहम और कल्याण की भावना होगी।

अब आप सब क्या हो गए...? भारत माता सो विश्व माता...।

इसलिए गायन है - "वन्दे मातरम्..." अर्थात् भारत के कल्याण में ही विश्व का कल्याण समाया हुआ है...।

बस बच्चे, अब सभी आत्माओं को रावण की जेल से स्वतंत्र करो। आपके संकल्प ही यह कार्य करेंगे, संकल्पों को अन्दर समाते चले जाओ।
फिर एक ही संकल्प उठेगा - ‘‘परिवर्तन’’ ... आप सभी का यही एक संकल्प विश्व का परिवर्तन कर देगा...।
बच्चे, आप हो जगत माता अर्थात् जगत जननी ... सभी आत्माओं समेत सारी प्रकृति को तमोप्रधान से सतोप्रधान बनाने वाली...।

बस, सब पर रहम, प्रेम और कल्याण की भावना रखनी है। ऐसे समझो कि जैसे, यह सारी दुनिया आपके बच्चे हैं...।

देखो, यह पूत, कपूत बन सकते हैं ... परन्तु जब आप अपने को माँ समझोगे, तो आपमें बेहद का प्यार, बेहद की रहम-कल्याण की भावना जागृत हो जायेगी...।

बस हर पल, हर कार्य बाप के संग रहकर करना है। परमात्मा बाप का साथ आपको हर कार्य में सफलता दिलायेगा। आप खुश और हल्के रहोगे...।

अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

अब आप बच्चों को इस देह के सम्बन्ध और साथ में ... मैं पुरुष हूँ, मैं नारी हूँ, मैं उम्र में छोटा बच्चा हूँ - यह सब भूल जाना चाहिए ... सभी स्वयं को आत्मा समझ, विश्व की आधारमूर्त आत्मायें समझें...।

Om Shanti
23.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बस बच्चे, आप निश्चिन्त रहो, हल्के रहो, खुश रहो...। आपका बाप आप बच्चों के संग ही है और यह परिवर्तन का कार्य स्वयं बाप कर रहा है, जिसे किसी भी तरह की कोई भी शक्ति रोक नहीं सकती...।

LIGHT, जो सभी गुणों और शक्तियों की जननी कहो, परिवर्तन की शक्ति कहो, हैं ... और यह light आपके परिवर्तन के साथ-साथ प्रकृति के भी परिवर्तन का कार्य शुरु कर चुकी है, जिसे अब कोई रोक नहीं सकता...!

जैसे पानी अपना रास्ता बना लेता है, उसी तरह यह light भी हर रुकावट को cross कर परिवर्तन का कार्य कर रही है...।

और जब आप स्वयं भी light का अभ्यास करते हो, तो जैसेकि आप परिवर्तन के कार्य में सहयोगी बन जाते हो। फिर कार्य सहज और जल्दी हो जाता है, अन्यथा होना तो है ही...।

बस बच्चे, आप हल्के रह करते रहो, अपने प्रति single और छोटा-सा भी संकल्प कमज़ोरी का ना हो।

आप ही हो माना आप ही हो, बाप-समान...।

बस निश्चय रख निश्चिन्त रहो, फिर जल्दी ही आपका सम्पन्न स्वरुप अर्थात फरिश्ता स्वरुप, आपको धारण कर लेगा, जिससे आप सम्पूर्ण और सम्पन्न बन जाओगे...।

आपका सम्पन्न स्वरुप भी प्रकृति के परिवर्तन की इंतज़ार में ही है...।

Light का अभ्यास अर्थात *अब आँखों को जब भी use करो, तो सब कुछ light ही देखो, वो भी बहुत प्रेम के साथ...।*

अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

जब आप स्वयं भी light का अभ्यास करते हो, तो जैसेकि आप परिवर्तन के कार्य में सहयोगी बन जाते हो। बस बच्चे, आप हल्के रह करते रहो, अपने प्रति single और छोटा-सा भी संकल्प कमज़ोरी का ना हो।

Om Shanti
22.06.2019

★【आज का पुरूषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, light का अभ्यास अति आवश्यक है।
इसलिए केवल स्वयं पर attention रख, light का अभ्यास करते रहो। यही अभ्यास परिवर्तन की सूई है...।

सभी बच्चों का आगे से आगे बढ़ने का लक्ष्य है, लेकिन अब समय अनुसार अर्थात् अन्त के भी अन्त, का भी अन्त जा रहा है..., तो रहा हुआ व्यर्थ का खाता किसी भी रूप में, किसी भी आत्मा के पास आ सकता है ... इसलिए इन सब बातों की परवाह किए बिना, अपने स्वमान की seat पर set हो, silence और साक्षीपन की seat का full अभ्यास रखना है ... और साथ ही साथ हर second का स्वयं पर attention ज़रूरी है, कि मैं अपनी seat पर set प्रभाव-मुक्त हूँ...?

बस बच्चे, घबराना नहीं है ... दृढ़तापूर्वक light का अभ्यास करते रहना है।

परिवर्तन भी होना है और परिवर्तन-कर्ता भी आप ही हो ... और केवल आप बच्चों के साथ ही शिव बाप है।

इन बातों पर अटूट निश्चय रख, निश्चिन्त रह आगे से आगे बढ़ना है ... लक्ष्य कभी भी सामने आ सकता है...।

अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

हर second का स्वयं पर attention ज़रूरी है, कि मैं अपनी seat पर set प्रभाव-मुक्त हूँ...?

Om Shanti
21.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं...

• योग क्या है...?

योग है एक प्यार ... जोकि हमें इस समय केवल एक बाप (परमात्मा शिव) से करना है, अर्थात् सब सम्बन्धों का सुख, वैभव, वस्तुओं का सुख केवल बाप से ही अनुभव करना है ... और इस सुख, आनन्द, खुशी और संतुष्टता के आगे दुनिया से प्राप्त होने वाला सुख, मिट्टी के बराबर है...।

• योग..., अर्थात् आत्मा और परमात्मा का प्यार भरा सम्बन्ध और बाप द्वारा सर्व गुणों और शक्तियों की प्राप्ति...।

• योग..., अर्थात बाप की याद से, बाप से गुण और शक्तियाँ ले, अपने original स्वरूप में स्थित होना...

• देखो, यथार्थ ज्ञान से ही यथार्थ योग लगता है। जिसके द्वारा ही स्व-परिवर्तन सो वायुमण्डल परिवर्तन सो विश्व-परिवर्तन होता है।

• कई बार कर्म करते भी आपका powerful connection बाप के साथ होता है, परन्तु आप अनुभव नहीं कर पाते..., और यही सोचते हो कि बैठकर तो योग किया नहीं...! बैठकर योग लगाना बहुत-बहुत-बहुत अच्छा है, परन्तु कर्मयोगी की stage भी कम नहीं...।

• बस इसमें कर्म consicous होने के बजाए कर्मयोगी अर्थात् स्वयं को आत्मा समझ, बाप के साथ combined रहने का बहुत अभ्यास चाहिए। योग के साथ-साथ स्वयं के परिवर्तन पर full attention रखना है।

• अभी भी बच्चे बीच-बीच में मूँझ जाते हैं और सोचते हैं, सारा दिन योग थोड़े ना ही लग सकता है...! देखो बच्चे, कौन कहता है सारा दिन योग लगाओ...? बाप तो केवल यही कहता है ... बच्चे, परमात्मा से सर्व सम्बन्धों के सुख का अनुभव करो...। समीप सम्बन्ध को निभाने में सोचना नहीं पड़ता कि कैसे निभाएं...?

• लौकिक में तो सभी सम्बन्ध स्वार्थ वश हैं, चाहे तो एक percent, चाहे तो 100 percent ... परन्तु परमात्मा बाप तो आप बच्चों के साथ सभी सम्बन्ध निःस्वार्थ निभाता है...।

• बच्चे, हर कर्म को बड़े प्रेमपूर्वक, शान्ति से और बाप के संग रहकर करना है। किसी भी कार्य में जल्दबाज़ी या हड़बड़ी नहीं करनी...। यह नहीं सोचना कि जल्दी से कार्य खत्म हो और मैं योग में बैठूँ...!

• बैठकर योग लगाना बहुत अच्छा है, परन्तु उससे भी ज्यादा ज़रूरी है हर second अपनी स्थिति में रहना अर्थात् बाप के साथ रह और अपने स्वमान की स्मृति में रहकर कार्य करना...।

• और आप बच्चे जब बाप की याद में रहकर कर्म करते हो तो आपकी double कमाई हो जाती है - एक मंसा और एक कर्मणा...।

• इसी तरह, जब आप बाप की याद और स्वमान में स्थित होकर बात करते हो, तब भी double कमाई हो जाती है - इसे कहते हैं हर कदम में पदम...।

• चारों ही subjects का result जो हैं, वह गुण स्वरूप और शक्ति स्वरूप बन seat पर set होना है। इसलिए आप बच्चों को इस तरफ विशेष attention देना है।

• आप बच्चों को विशेष ध्यान रखना है कि चाहे योग के लिए, चाहे धारणा के लिए अपने मूल स्वरूप एवं स्थिति से नीचे नहीं आना है...।

• देखो, आप बच्चों के लिए ही यह सहजयोग, कर्मयोग, निरन्तर योग और राजयोग मशहुर है। यह सहज से सहज योग है...। जहाँ मर्ज़ी, जिस मर्ज़ी स्थिति में आप बाप को याद कर सकते हो। कर्म करते वक्त भी बाप को याद करो ... और यही निरन्तर योग होने से राजयोग सहज हो जाता है...।

• और अब इस अभ्यास को बढ़ाते चलो, फिर naturally ही आप स्वयं के और बाप के स्मृति स्वरुप हो जाओगे...। इसलिए, बाबा बार-बार कहता है कि ज्यादा सोचो मत, बस हर पल मुझे याद करते रहो...।

• यह पढ़ाई ही है मनुष्य से देवता अर्थात् तमोगुणी आत्मा को परिवर्तन कर सतोगुणी आत्मा बना देने की..., इसलिए check and change...

• जब आप स्वयं का अर्थात् आत्मा को स्वच्छ बनाने का attention रख पुरुषार्थ करोगे, तो बहुत जल्दी ही बाप की मदद से flawless diamond बन पाओगे...।

अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

चारों ही subjects का result जो हैं, वह गुण स्वरूप और शक्ति स्वरूप बन seat पर set होना है। इसलिए आप बच्चों को इस तरफ विशेष attention देना है।

Om Shanti
20.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... देखो बच्चे, बाप आया ही है परिवर्तन के लिए और अब तो बाप को भी परिवर्तन का ही इंतज़ार है।

बस थोड़ा-सा और, प्रेमपूर्वक पवित्रता की light का अभ्यास करो ... फिर देखते ही देखते परिवर्तन हो जायेगा...।

बच्चे, किसी भी बात में कोई सार नहीं है। आप निश्चिन्त और हल्के रहो।

देखो बच्चे, यह अभ्यास इतना सरल नहीं है, इसलिए भगवान को स्वयं बाप रूप में आकर आप बच्चों को बहुत प्रेमपूर्वक आगे से आगे बढ़ाना पड़ता है।

इस तमोप्रधान दुनिया में, तमोप्रधान vibrations में रहते हुए, सतोप्रधान संकल्प उत्पन्न करना और साथ ही साथ जो दिख रहा है वा महसूस हो रहा है, उस तरफ attention ना दे, बाप की श्रीमत प्रमाण, संकल्पों द्वारा उसे पवित्र light समझ, परिवर्तन कर देना ... यह कार्य आप कुछ ही परमात्मा बाप के चुने हुए बच्चे ही कर सकते हो...।

बस, बाप पर और स्वयं पर निश्चय रख आगे से आगे बढ़ो। जितना भी कर सकते हो, हल्के और खुश रहकर करो। आपका बाप आपके संग है, फिर तो हुआ ही पड़ा है ना...।

अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

इस तमोप्रधान दुनिया में, तमोप्रधान vibrations में रहते हुए, सतोप्रधान संकल्प उत्पन्न करना और साथ ही साथ जो दिख रहा है वा महसूस हो रहा है, उस तरफ attention ना दे, बाप की श्रीमत प्रमाण, संकल्पों द्वारा उसे पवित्र light समझ, परिवर्तन कर देना...।

Om Shanti
19.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, किसी भी बात में कोई सार नहीं रहा।

बस बच्चे, शान्त स्थिति में स्थित हो प्रेमपूर्वक पवित्रता की light फैलाते रहो।

बच्चे, कुछ भी होता रहें, चाहे स्वयं के द्वारा, दूसरों के द्वारा ... या किसी भी तरह की काई भी बाहरी बात आये, सब कुछ मन-बुद्धि द्वारा छोड़ते जाओ...।

देखो बच्चे, बाप आप बच्चों के परिवर्तन की इंतज़ार में ही है और जब आप खुश और हल्के रह light ही light है ... light ही light है ... अर्थात् सारा दिन बहुत प्रेमपूर्वक, पवित्र light को स्वयं में समा, चारों ओर भी light ही light फैलाते रहते हो, तो यही light का अभ्यास आपको, सभी जीव-जन्तु, प्रकृति और वातावरण का परिवर्तन कर सतोप्रधान बना देता है।

इसलिए बच्चे, निश्चिन्त रह, यह अभ्यास करते रहो ... आपका बाप हर पल आप बच्चों के साथ ही है।

कुछ भी करो, किसी भी चीज़ की मना नहीं है ... परन्तु यह अभ्यास अति-अति आवश्यक है। परिवर्तन light के अभ्यास पर ही depend है।

देखो बच्चे, परिवर्तन तो होना ही है और करने वाले भी आप ही हो।
बस यदि आप attention दे यह light का अभ्यास करते हो, तो परिवर्तन झटके से हो जायेगा...।

इसलिए बाप कहता है कि आप निश्चिन्त रहो ... क्योंकि आप मास्टर रचयिता बच्चों की खुशी की vibrations ही इस दुनिया से सदा के लिए दुःख को खत्म कर देंगी .... और निश्चिन्त, हल्का, खुश और सन्तुष्ट रह कर ही विश्व-परिवर्तन का कार्य हो सकता है ... और इस समय सबसे बड़ी बाप की श्रीमत भी यही है...।

अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

किसी भी तरह की काई भी बाहरी बात आये, सब कुछ मन-बुद्धि द्वारा छोड़ते जाओ ... शान्त स्थिति में स्थित हो प्रेमपूर्वक पवित्रता की light फैलाते रहो...।

Om Shanti
18.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... कई बच्चे पूछते हैं कि बाबा, क्या हमारे ज्ञान को science prove नहीं करेगी...?

बच्चे, prove उसे किया जाता है, जो प्रत्यक्ष ना हो...! परन्तु आप जब स्वयं प्रत्यक्ष हो जाओगे, तो सब कुछ स्वयं ही prove हो जायेगा ... क्योंकि उस समय आप बच्चों का full connection केवल मेरे साथ ही होगा, अर्थात् आप बाप-समान बच्चे, जो बोलोगे, वो सत्य ही होगा ... उसे सिद्ध करने की ज़रुरत नहीं पड़ेगी...।

प्रत्यक्ष को प्रमाण की ज़रूरत नहीं होती...।

बच्चे, अपना 100% दे बहुत प्रेमपूर्वक पवित्रता की vibrations फैलाते रहो अर्थात् love, light और purity की vibrations फैलाते रहो।

यह vibrations कितनी कमाल का कार्य कर रही हैं, अभी आपको पता नहीं चल रहा है...! परन्तु बहुत ही थोड़े से थोड़े समय में आपकी vibrations की कमाल आपके सामने आयेगी। बस, alert होकर यह कार्य करते रहो ... इसमें अलबेले नहीं होना है।

बच्चे, देखो तमोप्रधान दुनिया ... तमोप्रधान वातावरण के बीच रहते आपको सतोप्रधान vibrations फैलाने हैं ... और अब जबकि कई बच्चों का यह अभ्यास natural हो गया है अर्थात् उनके अन्दर हर आत्मा, हर चीज़ के लिए प्रेम और पवित्रता की भावना natural हो गई है, तो यह natural संकल्प अपना कमाल कर रहे हैं ... और यह कार्य भी अभ्यास से ही हुआ है...।

इसलिए अब सभी बच्चे love and light की तरफ attention दे अपना स्वभाव natural ही love, light और pure thought का बनाये।

परिवर्तन तो हुआ ही पड़ा है। बस विजयी रत्नों की full attention की ज़रूरत है...।

Love and Light का अभ्यास अर्थात् स्वयं को light समझना है और सबसे प्यार करने का पुरुषार्थ करना है अर्थात अब आँखों को जब भी use करो तो सबकुछ light ही देखो वो भी बहुत प्रेम के साथ...।

अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

अब सभी बच्चे love and light की तरफ attention दे, अपना स्वभाव natural ही love, light और pure thought का बनाये...।

Om Shanti
17.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, ना कुछ सोचने की ज़रूरत है और ना कुछ बोलने की...।
सब कुछ light है ... आप भी light हो, मैं भी light हूँ ... सब कुछ light ही light है।
यह light ही सब कुछ परिवर्तन कर देगी...।

आप बच्चे अब एक ऐसे barrier को cross कर चुके हो जहाँ आकर किसी भी बात का कोई महत्व ही नहीं है।

बस, आप अपना 100% दे बहुत प्यार के साथ पवित्रता के vibrations फैलाते रहो ... यह पवित्र vibrations ही सम्पूर्ण परिवर्तन का कार्य कर देंगे...।

बच्चे, आप अपनी seat पर set रहो। जो कुछ भी हो रहा है उन सब चीज़ों के प्रभाव से प्रभाव-मुक्त हो जाओ। अब किसी भी चीज़ में कोई तन्त (सार) नहीं रहा ... और इस समय, परिवर्तन की परिक्रिया बहुत speed से चल रही है और कभी भी परिवर्तन हो सकता है...।

इसलिए आप सब अपनी numberone seat पर set हो, उसी खुशी और उमंग-उत्साह में रहो।

जैसे किसी भी आत्मा को बड़े सम्मान के साथ कोई ऊँच पद की seat दी जाती है, तो उसे कितनी खुशी होती है...! इसी तरह आप सब तो पूरे विश्व के numberone hero-heroine की seat पर set हो ... तो आपको खुशी कितनी ना होनी चाहिए...!

बस बच्चे, आपकी खुशी ही आप बच्चों का झटके से परिवर्तन कर देगी...।

अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

आप अपनी seat पर set रहो, जो कुछ भी हो रहा है उन सब चीज़ों के प्रभाव से प्रभाव-मुक्त हो जाओ ... अब किसी भी चीज़ में कोई तन्त (सार) नहीं रहा...।

Om Shanti
16.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... जिन बच्चों ने बाप की श्रीमत प्रमाण शुरु से ही त्याग और तपस्या की है ... उनके सारे हिसाब-किताब अब पूरे हो चुके है।

जो भी छोटी-मोटी परिस्थिति, paper के रुप में आ रही है ... वो बस आप बच्चों को आपकी seat पर set रखने के लिए आ रही है।
इसलिए थोड़ा-सा धैर्य और रख, सब बाप को समर्पण कर, अपनी seat पर set रहो...।

जब आप बच्चे प्रेमपूर्वक pure light की vibrations स्मृति, वृत्ति और दृष्टि द्वारा फैला रहे हो, तो यह vibrations बहुत speed से अपना कार्य कर रही हैं।

चाहे अभी आपको महसूस नहीं हो रहा, परन्तु बहुत ही जल्द आप अपने निःस्वार्थ भाव से फैलाई गई vibrations का प्रत्यक्ष फल अनुभव करोगे...।

इस समय परिवर्तन की speed तीव्र हो चुकी है अर्थात् attention रखने वाले बच्चों को बाप का भी और अपने ऊँच साथी, सहयोगी बच्चों की भी पूरी मदद है अर्थात् सूक्ष्म vibrations उन्हें भी उनकी seat पर set करने का कार्य कर रही है।

बस बच्चे, निश्चय रख आगे से आगे बढ़ो।

देखो बच्चे, बाप है रचता और आप बच्चे भी बाप के साथ-साथ मास्टर रचता हो। तो जो रचता होते हैं, वह विनाश के निमित्त नहीं बनते...! अर्थात् वह विश्व का विनाश नहीं करते ... वह तो केवल दुःखहर्ता-सुखकर्ता बन, परिवर्तन का कार्य करते हैं...।
और इतना विशाल परिवर्तन बिना शक्तियों के हो नहीं सकता...।

सही रीति अर्थात् सभी आत्माओं को, प्रकृति को, सन्तुष्ट कर, परिवर्तन कर देना, यह आत्माओं की शक्ति की कमाल होगी...।

अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

थोड़ा-सा धैर्य और रख, सब बाप को समर्पण कर, अपनी seat पर set रहो...।

Om Shanti
15.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... जो बच्चा 100% निश्चयबुद्धि होगा, वह ही अपना 100% समर्पण कर अर्थात् अपना सूक्ष्म से सूक्ष्म संकल्प भी बाप को समर्पण कर सकेगा।

क्योंकि उसे बाप पर निश्चय है कि बाप इस समय केवल मेरा है ... और वो मुझे हर हाल में शीघ्र से शीघ्र seat पर set कर देगा अर्थात् बाप-समान seat पर set कर विश्व-परिवर्तन का कार्य करवायेगा ... और वह निश्चिन्त स्थिति में स्थित रह, हर उतार-चढ़ाव को easily cross कर बाप की श्रीमत को 100% follow करेगा।

देखो बच्चे, बाप तो आपको अभी के अभी सम्पन्न बना दें, परन्तु आप बच्चों को बेहद के कार्य करने हैं, जो आप हर रास्ते को cross करने पर ही कर सकते हो ... और आपको तो full उमंग-उत्साह में रहना चाहिए कि;
• इस अन्तिम दुःख भरे समय में आपका साथी कौन बना है...?
• और आपको भी अपने समान ही दुःखहर्ता-सुखकर्ता बना रहा है...!
और बच्चे, वैसे भी आपका परिवर्तन आपको बताकर नहीं होगा, अचानक ही होगा।

इसलिए उमंग-उत्साह में रहो और जो बाप ने कहा कि कभी भी हो सकता है, तो इस बात पर भी 100% निश्चय रखो।

बस, बाप भी सहज से सहज समय में आपका परिवर्तन करवाना चाहता है।
बनना तो आपको ही है ना...! आप सभी तो मेरे वाह-वाह बच्चे हो...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

**IMPORTANT POINT*

जो बच्चा 100% निश्चयबुद्धि होगा, वह ही अपना 100% समर्पण कर अर्थात् अपना सूक्ष्म से सूक्ष्म संकल्प भी बाप को समर्पण कर सकेगा...।

Om Shanti
14.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, आपके सामने छोटी-छोटी जो परिस्थितियाँ आ रही है, उनके कारण और निवारण को ना जानने के कारण आप अपनी स्थिति को ऊपर-नीचे करते रहते हो...!

Actually में आप बच्चों के आगे यह परिस्थितियाँ कुछ है ही नहीं...।
क्योंकि आप बहुत अधिक शक्तिशाली हो, परन्तु अभी अपनी शक्तियों का भली-भान्ति ज्ञान ना होने के कारण थोड़ा भारी हो जाते हो...!

और मैं बाप, इस समय केवल आप बच्चों को सर्वशक्तिवान् की seat पर set करने के लिए श्रीमत दे रहा हूँ...।
• इस समय ना तो मैं बाप आपकी क्षण भंगुर छोटी-छोटी सी परिस्थितियाँ, जिनकी कोई value ही नहीं है, उसे ठीक कर रहा हूँ
• और ना ही आपकी तपस्या का उस पर कोई प्रभाव है, क्योंकि इस समय आपका स्वयं पर attention बहुत ज़रूरी है।

परिस्थितियों का क्या है, वो तो एक जाएगी और दूसरी आएगी...!

इसलिए बाप (परमात्मा शिव) का full attention आप पर ही है और बहुत ही जल्दी आपकी शक्तियाँ एक गुण के साथ बाहर आयेंगी और आपकी सभी परिस्थितियाँ एक सपने की तरह खत्म हो जायेंगी...।

बस, स्वयं पर और बाप पर 100% निश्चय रख अपने कार्य पर तत्पर रहो...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

**IMPORTANT POINT*

इस समय आपका स्वयं पर attention बहुत ज़रूरी है। परिस्थितियों का क्या है, वो तो एक जाएगी और दूसरी आएगी...!

Om Shanti
13.06.2019

★【आज का पुरूषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, इस स्थूल दुनिया का स्थूल कोई भी कार्य, हो या ना हो ... उसका कोई महत्व नहीं रखता...।

महत्व है, सिर्फ आपके अपने स्वमान की उच्चतम् seat पर बैठने का अभ्यास natural हो जाना..., अर्थात् आप अपने संकल्पों द्वारा अपनी seat पर set हो ही हो, उसके लिए कोई भी efforts ना करने पड़े, अर्थात् स्वयं को स्मृति ना दिलाना पड़े।

देखो बच्चे, जो शक्तियों और आपके बीच में पर्दा था, वो अब उठ चुका है अर्थात् आप शक्ति सम्पन्न बन चुके हो।

बस, आप अपनी seat पर set होने के बाद संकल्पों से हिलो मत।

देखो बच्चे, आप सोचते हो हमारे पास कोई भी शक्ति हो और उसका प्रभाव स्वयं में दिखें, तब तो हमारा स्वमान natural हो...!

लेकिन, आप अपनी शक्तियों को इस समय use करो परन्तु उसके result को ना देख, उस खुशी में रहो - यही दुनिया का सबसे difficult कार्य है, जिसे करवाने के लिए स्वयं आपका बाप और दुनिया वालों का भगवान आता है...!

आप बाप पर निश्चय रख, बस थोड़ा-सा ही समय अपनी शक्तियों रुपी seat पर set रहो, फिर अचानक ही आपका परिवर्तन हो जायेगा...।

अब जबकि समय अनुसार परिवर्तन हो जाना चाहिए और बाप भी आप बच्चों के इस परिवर्तन के इंतज़ार में ही है...।

बस बच्चे, अब अपनी seat पर स्थिर रहो, बाकी सारा कार्य बाप स्वयं कर देगा...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

**IMPORTANT POINT*

आप अपनी seat पर set होने के बाद संकल्पों से हिलो मत।

Om Shanti
12.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, जो present का समय जा रहा है, इस समय में यह महत्व नहीं रखता कि आपने परिस्थितियों का सामना किस रीति किया, बल्कि महत्व इस बात का है कि;
• present में आप किस स्थिति में स्थित हो
• अर्थात् आप बीजरूप स्थिति में कितनी जल्दी
• अर्थात् सारे drama के ज्ञान के राज़ को समझ और समाकर, कितनी जल्दी आप अपने original स्वरूप में स्थित हो जाते हो,
• अर्थात् बिल्कुल शान्त...
• कोई past के संकल्प नहीं...
• केवल कल्याणकारी संकल्पों से भरपूर
• अर्थात् बाप-समान स्थिति में स्थित हो जाना...।

इस समय, केवल इसी स्थिति का महत्व है ... साथ ही साथ जितने कम समय में आप अपने अनादि स्वरूप में स्थित होते हो, उतने ही माला के नज़दीक के मणके हो।

बच्चे सोचते हैं कि कुछ हो तो रहा नहीं...?
परन्तु देखो, आपकी love and light की vibrations अपना कमाल कर रही हैं ... अर्थात् प्रकृति को भी अब यह acceptance आ गई है कि हमारा असली स्वरूप light का ही है।

चाहे वो इस समय pure होने में थोड़े हलचल के vibrations, create कर रही है ... अर्थात् आप रचता के आगे थोड़ा opposition कर रही है, परन्तु आपकी loveful vibrations, जो आपने अभी तक जितनी फैलाई है, उतनी ही प्रकृति आपकी मित्र बन गई है...।

इसलिए आप love के साथ purity के vibrations फैलाओ...।

देखो बच्चे, आप सबको भी तो स्वयं का, बाप का और drama की reality समझने में कितना समय लगा...!

परन्तु अब जबकी आप रचता, powerful स्थिति अर्थात् बाप-समान स्थिति में स्थित हो जब इन्हें loveful, pure दृष्टि से देखते हो और अपनी वृत्ति की स्थिर vibrations फैलाते हो, तो आपकी रचना, यह प्रकृति झट से परिवर्तन होने का attention दे रही है।

आपकी vibrations सारे विश्व के पाप सदा के लिए खत्म कर रही है...।
और अब तो सभी हार चुके है...! बस, अब आपका एक ही powerful संकल्प इन सबका परिवर्तन करने में सहयोगी बन जाएगा...।

बस बच्चे ... स्वयं पर, स्वयं के कार्य पर, बाप पर, 100% निश्चय रखो...।
सबकुछ हुआ ही पड़ा है...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

**IMPORTANT POINT*

आप love के साथ purity के vibrations फैलाओ..।

Om Shanti
11.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, बाप (परमात्मा शिव) की पढ़ाई का सार ही है - शान्त रहो ... खुश रहो ... हल्के रहो ... और सन्तुष्ट रहो...।
इन सब गुणों से भरपूर आत्मा ही बाप-समान स्थिति में स्थित हो विश्व-कल्याण का कार्य कर सकती है।

बस बच्चे, बाप पर 100% निश्चय रख, स्वयं की checking कर, आगे से आगे बढ़ो...।

कुछ भी हो आप बच्चों ने अपने उच्चतम् स्वमान की seat नहीं छोड़नी है...।
आपका शिव बाप आपके साथ है।

हर बात में स्वयं का कल्याण समझ, स्थिर अर्थात् अचल-अडोल रहना है...।

जितना-जितना आप light का अभ्यास, अपनी daily की दिनचर्या में बढ़ाते जाओगे, उतनी ही जल्दी आप अपनी seat पर set हो जाओगे अर्थात् प्रभाव मुक्त हो जाओगे ... अर्थात् कोई भी परिस्थिति, कोई भी तरह की बीमारी, अन्य किसी भी तरह की कोई भी problem आपको हिला नहीं सकेगी...!

बस बच्चे, light ही light है ... यह light ही आपके कार्य को सम्पन्न करेगी।

आप बच्चे ही मेरे दिलतख्तनशीन बच्चे हो, जो बाप की श्रीमत् पर 100% चल अर्थात् अपने एक-एक कर्म बाप समान बना, बाप को विश्व में प्रत्यक्ष करते हो...।

जैसे, छोटे बच्चे को किताब दिखाकर यह बताया जाता है कि यह हाथी है, यह शेर है ... इसी तरह आपको केवल एक ही पाठ पक्का करना है कि सबकुछ light है ... बस पवित्र light है...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

**IMPORTANT POINT*

आपको केवल एक ही पाठ पक्का करना है कि सबकुछ light है ... बस पवित्र light है...।

Om Shanti
10.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, बिल्कुल शान्तचित हो जाओ ... अर्थात् अब आपके पास केवल निश्चय और नशे के ही संकल्प होने चाहिए ... अर्थात् आपको अपने एक-एक संकल्प पर निश्चय होना चाहिए कि जो भी संकल्प मैं कर रहा हूँ उसमें मुझे 100% सफलता मिलेगी...।

और जिस बच्चे को अपनी instant सफलता पर 100% निश्चय है, उसकी सफलता अर्थात् हर कार्य में विजय हुई ही पड़ी है।

बच्चे, बाबा की एक-एक बात पर 100% निश्चय रखो।
जो बाबा कह रहा है कि थोड़ा-सा धैर्य रखो तो थोड़ा सा ही है ... और अब तो आपकी speed भी बढ़ चुकी है, तो थोड़ा सा तो कभी भी खत्म हो सकता है ना...!

परन्तु होता क्या है कि जब कोई भी बात आती है तो निश्चय के साथ-साथ सूक्ष्म में यह भी संकल्प कर लेते हो कि पता नहीं कब होगा ... कैसे होगा...?
परन्तु बच्चे, आपके 100% सकारात्मक अर्थात् positive, विजय भरे संकल्प होने से अभी-अभी होगा...।

आपका संशय का minor सा भी संकल्प, या कमज़ोर संकल्प आपको आपकी सफलता से दूर कर देता है...!

आप बच्चों को powerful अनुभव भी हो रहा है और स्वयं में परिवर्तन भी दिख रहा है ... फिर भी बच्चे जल्दबाज़ी के कारण क्या, क्यों, कैसे, कब ... में आ जाते हैं ... जिस कारण आपकी विजय में समय लग जाता है...!

आप अपनी विजय के एक ही संकल्प में एकाग्र हो जाओ, फिर देखो कमाल पर कमाल...।

बाप आपके साथ है। बस आप 100% निश्चय रखो और आगे से आगे बढ़ो ... मंज़िल के समीप पहुँचकर जल्दबाज़ी के कारण मंज़िल से दूर नहीं होना है।

आप ही तो हो बाप (परमात्मा शिव) के विजयी रत्न..., आप ही बाप की हर आशा को पूर्ण करने वाले मस्तक के ताज हो...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

**IMPORTANT POINT*

आपका संशय का minor सा भी संकल्प, या कमज़ोर संकल्प आपको आपकी सफलता से दूर कर देता है...।

Om Shanti
09.06.2019

★ 【आज का पुरुषार्थ】 ★

बाबा कहते हैं ... देखो बच्चे, आप थोड़े से ही बच्चे बाप की समझानी कहो, knowledge कहो, श्रीमत कहो ... को ठीक रीति समझ, उसी according चलते हो...।

बाप (परमात्मा शिव) आकर पढ़ाता तो सभी बच्चों को है, लेकिन बच्चे नम्बरवार बन जाते है...!

जबकि ज्ञानी भी हैं, योगी भी हैं और सेवा भी करते हैं और सच्चा दिल भी है, परन्तु knowledgeful ना बनने के कारण, कहीं-न-कहीं त्याग में अर्थात् स्वयं को परिवर्तन करने में कमज़ोर बन जाते हैं ... अर्थात् हल्का सा भी मैं-पन के कारण ज्ञान

को समझते हुए भी नासमझ बन जाते हैं ... जिस कारण बाप पर पूर्ण रीति बलिहार कहो, समर्पण कहो, नहीं हो पाते और स्वयं को numberone के बजाए नम्बरवार में ले आते हैं...!

बाप की इस गुह्य से गुह्य पढ़ाई ... गुह्य part को मेरे कुछ बच्चे ही समझ पाते हैं और वह ही बच्चे, बाप पर बलिहार जा, आगे से आगे बढ़ जाते हैं।

जो बच्चे स्वयं को सम्पन्न समझ रुक जाते हैं, उनकी seat वहीं fix हो जाती है, यही माला के मणकों में number बनने का आधार बन जाता है...!

Drama के किसी भी तरह का, कोई भी scene देख, क्या-क्यों करने वाली आत्मा आगे नहीं बढ़ सकती...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
08.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, परिवर्तन-परिवर्तन-परिवर्तन ... अर्थात् पुरानी दुनिया का नई दुनिया में परिवर्तन होना ... अर्थात् पुरानी दुनिया की हर वस्तु ... देह ... आत्मायें ... सभी का परिवर्तन हो जाना...।

आप बच्चे हो परिवर्तन कर्ता...। आप बच्चों की स्मृति, वृत्ति, दृष्टि के परिवर्तन होने पर ही विश्व-परिवर्तन होगा।

• *स्मृति का परिवर्तन होना* अर्थात् - आपको हर पल स्मृति में रहें कि हम आत्मायें और पाँचों तत्वों से बनी हर चीज़ light है, पवित्र light अर्थात् हर चीज़ की originality की स्मृति में रहना।

• *वृत्ति का परिवर्तन होना* अर्थात् - आपकी वृत्ति बेहद की, अर्थात् हम सब आत्मायें एक ही घर से आये हैं और सबने भिन्न-भिन्न पाँच तत्वों से बने light के वस्त्र पहने हुए हैं और सभी पवित्र हैं और अब सबको घर (शान्तिधाम) जाना है।

• *दृष्टि का परिवर्तन होना* अर्थात् - सभी को बहुत प्रेम पूर्वक, उनके पवित्र स्वरुप अर्थात् उनके original स्वरुप में देखना।

बच्चे, जब आपकी 100% स्मृति, वृत्ति, दृष्टि परिवर्तन हो जायेगी तो झटके से विश्व-परिवर्तन हो जायेगा...।

देखो बच्चे, आपका यह अभ्यास काफी natural होता जा रहा है ... और बाबा ने यह भी देखा है कि बच्चे स्वयं पर 100% attention रख, बाप को संग रख, सफलता प्राप्त कर रहे हैं। बस बीच-बीच में थोड़ा-सा attention में हल्के हो

जाते हैं, जिससे परिवर्तन की जो vibrations फैल रही हैं, उसकी speed slow हो जाती है ... फिर speed तीव्र करने में समय लगता है...।

इसलिए बच्चे, एक बल-एक भरोसे रह, विदेही बन, अपने कार्य में तत्पर रहो ... परिवर्तन के समीप ही हो अर्थात् स्व-परिवर्तन से विश्व-परिवर्तन गाया हुआ है और बाप (परमात्मा शिव) तो आप बच्चों के साथ ही है, तो अब कोई भी शक्ति आपको रोक नहीं सकती...!

परन्तु बाप चाहता है कि अब यह परिवर्तन speed से हो जाये ... और मेरे बच्चे प्राप्तियों का सदा अनुभव करें...।

अच्छा। ओम् शान्ति

Om Shanti
07.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, आपको सभी आत्माओं के प्रति केवल शुभ-भावना, शुभ-कामना ही रखनी है।
आपकी शुभ-भावना ही सभी आत्माओं का कल्याण करेगी।

सभी आत्माओं के कल्याण के निमित्त बनने के लिए आपको 100% साक्षी बनना पड़ेगा, अर्थात् आत्माओं के कर्म और व्यवहार को ना देख, उन्हें नासमझ और कमज़ोर जान अर्थात् एक छोटा बच्चा मान ... जिस तरह एक छोटा बच्चा ज़िद्द में आ छोटी-छोटी बातों में रोता भी रहता है और छोटी-सी प्राप्ति में खुश भी हो जाता है...!

इसलिए इस समय सभी आत्माओं के मात-पिता बन, इनके कल्याण के निमित्त बनो...।

बच्चे, यह कलियुग का भी अन्तिम चरण जा रहा है जोकि हिसाब-किताब clear करने का है ... तो घर जाने से पहले वह clear तो होने ही है...।

बस, आप तो अपनी प्रेम और रहम की भावना बनाए रखो और सभी आत्माओं को बाप हवाले कर दो।

इस ईश्वरीय परिवार की सभी आत्माओं पर बाप की नज़र है और बाप इस समय सभी के जल्द से जल्द और सहज से सहज रीति हिसाब-किताब पूरे करवा रहा है ... इसलिए आप इन आत्माओं से भी साक्षी हो जाओ अर्थात् बाप हवाले कर दो।

यदि कोई भी सलाह देने की आवश्यकता महसूस करते हो, तो बाप को बुला कुछ समझानी दो ... फिर बाबा आपके द्वारा ही इन आत्माओं का कल्याण करवा देगा।

बस बच्चे, आप निश्चिन्त रह अर्थात् अपने उच्चतम् स्वमान की seat पर set रह, हर तरफ अपनी शुभ-भावना, शुभ-कामना की vibrations फैला दो...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
06.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, अब समय अनुसार आप बच्चों के एक-एक संकल्प समर्थ होने चाहिए अर्थात् व्यर्थ और साधारण मुक्त...।

बस, अब आप बच्चों को अपने गुणों और शक्तियों रुपी seat पर set हो अर्थात् स्वयं और विश्व-कल्याण अर्थ ही संकल्प करने हैं।

अब वो समय आ चुका है, जब आप बच्चों को अपने संकल्पों की सिद्धि प्राप्त होनी शुरु हो जायेगी।

बच्चे, आप अपने संकल्पों की power को भली-भान्ति समझ संकल्प करो ... आपके एक-एक संकल्प आपको सिद्धि दिलायेंगे...।

बस आप अपने संकल्पों को सही रीति use करो।
आपको 100% निश्चय होना चाहिए कि मेरे एक-एक संकल्प सिद्ध होंगे अर्थात् मेरे संकल्प और बोल वरदानी मूर्त बन जायेंगे।

अब आपके संकल्पों के द्वारा कमाल पर कमाल शुरु होगी। बस, धैर्यतापूर्वक अपने संकल्पों को use करना शुरु करो।

बच्चे, बाप हर पल आप बच्चों के साथ है, इसलिए स्वयं पर 100% निश्चय रखो।
बाप जो कह रहा है, वह 100% सत्य है...।

बस, अब आप बच्चे अपनी मन-बुद्धि को इस पुरानी दुनिया से detach करो ... इसके लिए, सब कुछ करते इससे न्यारे रहो अर्थात् हर छोटी से छोटी बात भी बाप को समर्पण कर दो...।

अच्छा

Om Shanti
05.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, विजयी रत्न वह ही आत्मायें बनेंगी, जिन आत्माओं ने 100% बाप की श्रीमत प्रमाण स्वयं पर attention रख पुरुषार्थ किया है।

अभी भी समय है कि आत्मायें;
• ज्ञान को भली-भान्ति समझ अर्थात् knowlegdeful बन, जो अन्तिम light का अभ्यास बताया है, इस पर full attention दे स्वयं को हर चीज़ से, आत्माओं से न्यारा करती जाये।
• कोई भी पुराना स्वभाव-संस्कार आये, उसे एक second में ही बिन्दी लगा, अपनी seat पर set हो जाये...।
इसके लिए बाबा ने आप बच्चों को विभिन्न युक्तियाँ भी बतलाई हैं।

इस समय, जो बच्चा स्वयं पर full attention रख समर्थ संकल्प और समर्थ वाचा में आयेगा, वह आत्मा ही अपनी seat पर set है ... और उसके कुछ दिन की ही ऐसी practice और attention से उसकी प्राप्तियाँ शुरु हो जायेंगी।

देखो बच्चे, किसी तरह की भी प्राप्तियों का शुरु होना अर्थात् attention पर बिन्दी लग जाना। इसलिए, अभी आप बच्चों के लिए पुरुषार्थ सहज भी हो रहा है और कभी-कभी थोड़ी बहुत प्राप्ति भी होती है, परन्तु 100% प्राप्ति अर्थात् सदैव की प्राप्ति के लिए सदा seat पर set रहना अति आवश्यक है।

केवल विजयी रत्न ही अपनी seat पर set हो पायेंगे ... वो भी नम्बरवार...।

जो-जो बच्चे, स्वयं को विजयी रत्न समझते हैं, वो स्वयं को उसी ऊँच स्वमान में स्थित हो, कर्म व्यवहार में आयेंगे ... अर्थात् अपने संकल्पों और बोल पर attention रखेंगे...।

एक ऊँच स्वमान में स्थित आत्मा ही दूसरी आत्मा को उसके ऊँच स्वमान में स्थित कर सकती है...।

जो विजयी रत्न हैं, वो स्वयं ही स्वयं को अपने ऊँच स्वमान में स्थित कर, अर्थात् स्वयं को विजयी रत्न समझ, उसी स्वमान के according अपना attention रख, अपना number fix करते हैं ... और उनकी स्वमान की seat ही उनका number, set कर देती है...।

इसलिए, सभी उमंग-उत्साह में रह, खुशी-खुशी बाप की श्रीमत् प्रमाण आगे से आगे बढ़ परमात्मा बाप के कार्य को सम्पन्न करें...।

आखिर माला तैयार तो होनी ही है ... और माला की सभी आत्मायें जहाँ कहीं भी हैं, सभी drama plan अनुसार एक ही जगह संगठित रुप में मिलन तो मनायेगी ना...!

बस बच्चे, आप तो निश्चय रख, धैर्यतापूर्वक चलते चलो...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
04.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, बाप की हर पल नज़र आप पर ही है।

देखो, आप ही तो 100% बाप-समान बनने वाले ... और बाप को प्रत्यक्ष करने वाले ... बाप के विशेष बच्चे हो। फिर बाप आपकी सम्भाल नहीं करेगा, तो किसकी करेगा...?

बस, बाप तो सहज से सहज रीति आपके बचे हुए थोड़े बहुत हिसाब-किताब पूरे करवा रहा है।

आप बेफ्रिक रहो ... आपका शिव बाप आपके साथ है। बस आप तो बाप के नयनों में समाए रहो...।

देखो बच्चे, अति के बाद अन्त होती है। आप निश्चिन्त रहो ... मैं आपका ही नहीं, सभी का बाप हूँ ... और इस ईश्वरीय परिवार की सभी आत्माओं के ऊपर मेरी विशेष नज़र है।

बस, आप तो अपनी seat पर बैठे रहो, सब ठीक हो जाएगा और होना ही है...।

देखो बच्चे, दुनिया में तमोप्रधान वायुमण्डल का और माया की ग्रहचारी, दिनों-दिन बढ़ती जा रही है ... जिससे हर आत्मा दुःखी है, परेशान है .. और जैसे-जैसे second-by-second पास हो रहा है, इसकी speed और तीव्र हो रही है।

इसलिए बाबा कहता है ... बच्चे, जल्दी करो ... जल्दी करो ... क्योंकि बाप नहीं चाहता कि इस ईश्वरीय परिवार की, जिसे बाप sample बना रहा है, उन आत्माओं का अर्थात् मेरे विशेष बच्चों को कोई touch भी करें...!

बस आप हल्के रहो, बहुत जल्द और उससे भी जल्द बाप आप सबको तमोप्रधान वायुमण्डल से न्यारा कर देगा।

बच्चे, अब तो आनन्दमय दिन आयो कि आयो...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
03.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, जो आप daily का अभ्यास कर रहे हो, वह पूरी लगन के साथ करो।

बाप को अपने अंग-संग जान अर्थात् बाप की हर second आप पर नज़र है ... यह जान कर, आपकी पूरी लगन से किया गया अभ्यास आपको आगे से आगे लेकर जा रहा है...।

जैसे आपने प्रेम स्वरूप और पवित्र स्वरूप का attention रखा ... जो बहुत अच्छा है...।
इस अभ्यास को दिल वा जान, सिक वा प्रेम से करना, full attention देकर करना।
यह ही अभ्यास आप बच्चों को आपके original स्वरूप तक पहुँचाएगा।

आप बच्चे गुणों और शक्तियों के साथ-साथ विभिन्न ज्ञान के points का मंथन कर, उस पर भी attention रख, स्वयं की स्थिति ऊँची कर सकते हो।

यह उड़ती कला का अभ्यास है, क्योंकि यह attention आपके मन-बुद्धि को busy कर देता है।

बस बच्चे, alert होकर करते रहना। यदि कोई गलती हो भी जाये या आप किसी कारणवश दिन का कुछ समय attention ना भी दे पाओ, तो दिलशिकस्त मत होना ... पूरे उमंग-उत्साह के साथ करना...।

आप इस तरह का अभ्यास स्वयं के लिए और बाप के लिए कर रहे हो, अर्थात् बाप भी तो आपको आपके लक्ष्य तक पहुँचाने के लिए आया है।

Daily अपना chart भी देना। संगठन में करने से attention अच्छा रहता है।

देखो बच्चे, यदि कभी attention की कमी के कारण जैसा आप चाहते हो उतना नहीं कर पाते, तो भी निश्चिन्त स्थिति में स्थित हो अपना chart लिखना, क्योंकि बाप आप सब बच्चों की लगन को जानता है...। बस bore नहीं होना है, बहुत प्रेम से अपने लक्ष्य को सामने रख करना है।
हिम्मत रखोगे तो बाप की मदद है ही है...।

जैसे, जब भी दर्पण के सम्मुख जाते हो, तो उसी समय महसूस करो कि - ये मैं नहीं हूँ ... मैं तो एक श्रेष्ठतम् आत्मा हूँ ... मैं तो जगत का कल्याण करने वाली हूँ...।
इसी तरह, इस तन को जब कुछ खिलाते-पिलाते हो, तो भी यह ध्यान रखो कि - ये मैं नहीं ... मैं इस तन की ... इस परिवार की care taker हूँ...।

कोई भी पुरानी बात, पुराना हिसाब-किताब सम्मुख आता है, तो उसी पल ध्यान रहे कि - यह तो मेरा role है ... मैं तो बाप-समान विश्व-कल्याणकारी, विश्व-परिवर्तक आत्मा हूँ...।

इससे आपकी स्थिति निश्चिन्त, हल्की, सन्तुष्ट और खुशनुमा हो जायेगी...।

और हर पल अपने बाप (परमात्मा शिव) और अपने धाम (शान्तिधाम) की स्मृति में रहो..., साथ ही साथ रूहानी नशे में भी, जो आपको आनन्द से भरपूर कर देगा...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
02.06.2019

★【आज का पुरूषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, महसूस करो कि सब light ही light है ... बस light ही light...।
मैं भी light ... बाप भी light ... और चारों तरफ बस light ही light है...।

यह light ही सब कुछ परिवर्तन कर देगी, अर्थात् जितना आप संकल्पों द्वारा यह अनुभव करोगे कि जो कुछ मैं आँखों से देख रहा हूँ ... सुन रहा हूँ ... महसूस कर रहा हूँ ... सब पवित्र light है...।

यह पवित्र light का अभ्यास ही परमधाम की light को नीचे लायेगा ... तब ही SUPREME LIGHT CEREMONY होगी...।

बच्चे, अपने एक-एक संकल्प की value को समझो...,
• आपके संकल्प से ही दुनिया बनी,
• आपके संकल्प से ही भगवान धरा पर आया
• और अन्त में आप अपने संकल्प की power से ही विश्व-परिवर्तन का कार्य करोगे।

देखो बच्चे, आप स्वयं के साथ-साथ बाप (परमात्मा शिव) को भी विश्व में प्रत्यक्ष करने वाली आत्मायें हो ... तो आपका एक-एक संकल्प और बोल पर attention होना चाहिए...।

बच्चे सोचते हैं कि जल्दी से जल्दी कुछ परिवर्तन दिखें...!
परन्तु बच्चे, बाबा पहले भी बता चुका है कि जब तक आप सम्पूर्ण नहीं बनते, तब तक कुछ नहीं होगा ... क्योंकि परिवर्तन करने वाले आप ही हो ... आप महीनता से अपनी checking करो कि;
• मैं बन्धनमुक्त अर्थात् किसी भी तरह का कोई बन्धन नहीं ... अर्थात् अपनी seat पर set, बेहद में रह, विश्व-कल्याण के निमित्त हूँ...?
• मैं बिल्कुल हल्की, सन्तुष्ट और खुश हूँ...?
तब ही तो आप सभी आत्माओं को मुक्ति अर्थात् बन्धनमुक्त जीवनमुक्ति अर्थात् आत्माओं को यथाशक्ति, गुणों और शक्तियों का दान दे सकते हो...।

बच्चे, आप योग लगाने वाली नहीं, बल्कि योगयुक्त रह सारी आत्माओं का, प्रकृति का कल्याण करने वाली हो।
तब ही तो आप प्रकृतिपति, विश्व की सभी आत्माओं के मालिक बन ... सभी का परिवर्तन कर दोगे...।

बच्चे,
• अब हर पल अपनी seat पर set रह, अपना कार्य शुरु करो।
• अब हर पल बाप को संग रख, स्वयं की और सेवा की रुप-रेखा change कर, सहज और जल्द से जल्द सफलताओं के अधिकारी बनो।
बाप समेत सभी आत्मायें आपकी इंतज़ार में हैं।

इसलिए बच्चे, अब समय अनुसार ना सोचो ... ना बोलो ... बस, बाप के संग रह, बाप की श्रीमत प्रमाण चलते चलो...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

Om Shanti
01.06.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, महसूस करो कि एक बहुत powerful light का गोला जोकि विभिन्न रंगों में परिवर्तन हो रहा है, नीचे आ रहा है...।
यह सभी गुणों रुपी शक्तियों का गोला है, जोकि आप बच्चों को धारण करना है।

देखो, बाबा का इस समय एक ही लक्ष्य है कि जल्दी से जल्दी बच्चों को अपनी seat पर set करें।

फिर कई बच्चे पूछते हैं कि बाबा, आप तो कहते हो कि जल्दी नहीं करनी...?

देखो बच्चे, बाप त्रिकालदर्शी है। वो अपनी seat पर set हो बहुत युक्तियुक्त ढंग से अपना कार्य करता है।
लेकिन आप बच्चे जब जल्दबाज़ी करते हो, तो अपनी seat से उतर स्थूल रीति कार्य करना शुरु कर देते हो ... अर्थात् आप यह सोचते हो कि समझानी देकर या इससे बात करके उसे ठीक कर दें...!

अब, जबकि हर आत्मा वातावरण के according कमज़ोर हो चुकी है, तो या तो वो दिलशिकस्त हो जाती है या अभिमान वा अपमान महसूस करती है। इस कारण कार्य की speed slow हो जाती है अर्थात् उन आत्माओं के vibrations वायुमण्डल में speed से फैलते हैं...।

इसलिए जब आप अपनी seat पर set हो सूक्ष्म रीति उन आत्माओं की पालना करोंगे, तो जल्दी से जल्दी समस्या भी solve होगी और vibrations भी positive होंगे..., जिससे बाप के कार्य की speed, और बढ़ जायेगी...।

बस बच्चे, आप धैर्यतापूर्वक अपनी seat पर set रह बाप की श्रीमत प्रमाण चलो। फिर तो जल्दी से जल्दी बहुत-बहुत-बहुत ही wonderful कार्य होने है।

Drama के हर second के, हर scene पर वाह-वाह होगी...। यह समय आपके लिए बहुत ही आनन्दमय होगा, जोकि अभी तक आपके संकल्प और स्वप्न में भी नहीं है...!

उस समय आप अपनी seat पर भी होंगे और साथ ही साथ हर सुख का, आनन्द का गहराई तक अनुभव करोगे अर्थात् आपको अपने थोड़े से भी थोड़े किये गये पुरुषार्थ की value का अनुभव होगा कि हमने थोड़ा-सा कर इतना अधिक अर्थात् असीम पाया ... और अन्य आत्माओं ने इतना गँवाया ..!

और जिन आत्माओं ने अपने पुरुषार्थ के attention में कमी रखी, उनकी प्राप्ति में भी इतना difference रहा...! चाहे नम्बरवार है, फिर भी आत्माओं को feel तो होगा ना...।

अच्छा। ओम् शान्ति।